भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 5273

गुरुवार, 25 जुलाई, 2019/3 श्रावण, 1941 (शक)

टीओटी मॉडल के अंतर्गत सड़क परियोजनाएं

5273. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः

श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः

श्री चंद्रशेखर साहूः

श्री गिरीश भालचन्द्र बापटः

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में सरकारी वित्त पोषित राष्ट्रीय राजमार्गों को धन प्रदान करने के लिए टोल आपरेट ट्रांसफर (टीओटी) मॉडल के अंतर्गत पहचान की गई सड़क परियोजनाओं की नीलामी प्रस्तावित की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टीओटी मॉडल के अंतर्गत 75 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को पट्टे पर देने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या अनेक विदेशी कंपनियों ने टीओटी मॉडल के अंतर्गत परियोजनाओं हेतु सरकार-से-सरकार (जी2जी) समझौते पर रुचि दर्शाई है और यदि हां, तो नाम सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या इनमें से कुछ कंपनियां परियोजनाओं को बातचीत आधर पर जी2जी समझौते के अंतर्गत प्रदान करना चाहती हैं; और

(च) यदि हां, तो इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख): जी, हां। 680 किमी की लंबाई के साथ टीओटी का पहला बंडल 9681.5 करोड़ रू की निविदा रियायत शुल्क पर मैसर्स एमएआईएफ इनवेस्टमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और अशोक बिल्डकोन लिमिटेड कंसोर्टियम को सौंपा गया है। रियायतग्राही ने 28.08.2018 को एनएचएआई के पास 9681.5 करोड़ रू जमा करा दिए हैं और टीओटी बंडल I परियोजना 29.08.2018 से शुरू हो चुकी है।

टीओटी बंडल II के लिए बोली 06.05.2018 से मांगी गई थी और 19.12.2018 की देय तारीख तक 3 निविदाएं प्राप्त हुईं। हांलाकि, निविदा प्रक्रिया सबसे कम बोली लगाने वाले बोलीदाता मैसर्स क्यूब द्वारा लगाई गई कम बोली (प्राधिकरण अनुमानित प्रारम्भिक प्राक्कलित रियायत मूल्य (आईईसीवी) से 14% कम) के कारण रद्द कर दी गई।

टीओटी बंडल III के लिए बोली 11.09.2019 की देय तारीख के साथ 13.06.2018 को मांगी गई है।

(ग): जी, हां। टीओटी मॉडल के अंतर्गत लगभग 6400 किमी की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को चिन्हित किया गया है।

(घ) से (च): जी, नहीं। ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****